एक नजर में

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025

आलीराजपुर । जिला महिला बाल विकास अधिकारी सुश्री मोनिका बघेल ने बताया कि राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल *https://awards.gov.in* पर प्रारंभ हो चुकी है। यह पुरस्कार प्रति वर्ष बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। 05 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी बच्चा (31 जुलाई 2025 तक) जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है, पुरस्कार के लिए पात्र है ।

कन्या महाविद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

झाबुआ। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय शासकीय कन्या महाविद्यालय में 3 जुलाई को प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्राचार्य डॉ. दिनेश कटारा ने की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के स्टॉफ एवं नव-प्रवेशित छात्राओं ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। पश्चात् नव-प्रवेशित छात्राओं का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. दिनेश कटारा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी नव-प्रवेशित छात्राओं का महाविद्यालय में स्वागत है। मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि मैं बेटियों के कॉलेज का प्राचार्य हूं। आपने सावित्रीबाई फूले, झांसी की रानी, रानी दुर्गावती आदि वीरांगनाओं के उदाहरण देकर छात्राओं को प्रेरित किया। महाविद्यालय की उप-प्राचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सारिका दुबे ने मप्र शासन की समस्त योजनाओं जैसे गांव की बेटी, विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्श, छात्रवृत्ति आवास आदि की जानकारी दी एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य हेतु कामना की।

छात्राओं को करवाया अवलोकन- तत्पश्चात् महाविद्यालय के समस्त विभाग प्रमुखों ने अपने-अपने विभाग एवं पाठ्यक्रमों का परिचय दिया। कार्यक्रम में छात्राओं को प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय एवं डिजिटल संसाधनों का अवलोकन भी करवाया गया। इस अवसर पर डॉ. विद्या चौहान, डॉ. प्रीति समदरिया, डॉ. लोकेन्द्रसिंह झाला, डॉ. प्रियंका भालिया, डॉ. रिद्धि माहेश्वरी, तारा बिलवाल, मुनसिंह परमार, प्रकाश मेड़ा, जयश्री जोशी, सरिता भगोरा, निर्भयसिंह नायक, पार्वती हिहोर, रामसिंह गणावा, रमेश डामोर सहित समस्त स्टाफउपस्थित था।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में शहर शाखा में हुआ आयोजन

झाबुआ। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित प्रधान कार्यालय झाबुआ एवं मप्र राज्य सहकारी बैंक मर्यादित भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार 1 से 6 जुलाई तक अंर्तराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में अल्पकालीन सहकारी साख संरचना में हितग्राहियों को वृक्षारोपण, लोन मेला एवं सहकारिता अधिनियम उपविधियो में वर्णित आमसभा के कर्तव्यों एवं दायित्वो तथा सदस्यों के अधिकारों से अवगत करवाने संबंधित जानकारी का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। इसी क्रम में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केके रायकवार के कुशल नेतृत्व एवं मागर्दशन में समारोह का आयोजन जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ की शहर शाखा में किया गया। आयोजन में शाखा में पधारे अमानतदारों एवं किसानों को शाखा प्रबंधक मनीष बैरागी एवं सहायक लेखापाल सुशीला डामोर द्वारा अल्पकालीन सहकारी साख संरचना में हितग्राहियो को वृक्षारोपण, लोन मेला एवं सहकारिता अधिनियम उपविधियो में वर्णित आमसभा के कर्तव्यो एवं दायित्वों तथा सदस्यों को अधिकार से अवगत करवाया। इस अवसर पर बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक राजेन्द्रकुमार लालन द्वारा भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सहकारिता क्षेत्र को सेवा समर्पण का क्षेत्र बताया एवं किसानो को लोन संबंधी जानकारी साझा की।

फलदार पौधों का किया वितरण-कार्यक्रम में अंत में शाखा परिसर में पधारे कृषक सदस्यों को लगभग 60 से 80 फलदार पौधों का वितरण भी किया जाकर उन्हे संरक्षित करने का संकल्प प्रभारी शाखा प्रबंधक बैरागी द्वारा दिलवाया गया। उक्त आयोजन को सफल बनाने में शाखा प्रबंधक मनीष बैरागी, सहायक लेखापाल सुशीला डामोर, भृत्य भेरूदास बैरागी, सुरक्षागार्ड अपसिंह अजनार, आउससोर्स सुरसिह मेड़ा आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

चयन की विशेष उपलब्धि पर दी शुभकामनाएं

झाबुआ। स्थानीय लक्ष्मीबाई मार्ग निवासी नरेंद्र संघवी के सुपुत्र चयन संघवी ने इंदौर के प्रसिद्ध आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर) के प्रथम वर्ष में अध्ययनरत रहते हुए विशेष उपलब्धि प्राप्त की है। चयन ने इस वर्ष की परीक्षा में सीसीपीए में 3.55 अंक अर्जित कर एमबीए की कंबाइंड बैच में प्रथम पांच परसेंटेज वाले छात्रों में स्थान बनाया है। छात्र की इस उपलब्धि पर आईआईएम डायरेक्टर डॉ. हिमांशु राइ और लेफ्टिनेंट जनरल हरप्रीतसिंह साही द्वारा अवार्ड स्वरूप प्रमाण पत्र संस्थान में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। छात्र की इस उपलब्धि पर संस्थान के समस्त स्टॉफ परिजनों एवं जैन समाजजनों ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य हेतु कामना की है।

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण के अंतर्गत सहायक व्यक्ति की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

आलीराजपुर। जिला महिला बाल विकास अधिकारी सुश्री मोनिका बघेल ने बताया कि यौन उत्पीड़न के शिकार बच्चो (*Rape victim*) को उनके मददगार बनकर बचान दर्ज करवाने से लेकर पैरवी में मदद करने, परामर्श उपलब्ध कराने एवं सरकारी योजनाओं के तहत सहायता दिलाने के मदद करने के लिए लैगिंग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (*POCSO Act* 2012) की धारा 39 के प्रावधानों के तहत जिले में सहायक व्यक्ति (*Support person*) को इम्पैनलमेंट के लिये जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पूर्व में 2 सपोर्ट पर्सन का चयन किया गया था। वर्तमान में शासन के निर्देशानुसार 10 का पैनल नियुक्त किये जाने के निर्देशों के पालनार्थ 8 सपोर्ट पर्सन का चयन पुन: किया जाना है इस संबंध में इच्छुक व्यक्ति जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय में अधिक जानकारी एवं आवेदन जमा करने हेतु कार्यालयीन समय में पी एस चौहान से 30 जुलाई 2025 तक संपर्क कर सकते हैं।

रात के अंधेरे में नल के पाइप में एमसील डालकर युवक ने नल को किया चौक

▸ युवक की हरकत सीसीटीव्ही कैमरे में हुई कैद, मकान मालिक ने पुलिस थाने पर दर्ज करवाई शिकायत

झाबुआ। शहर के तेलीवाड़ा (लक्ष्मीबाई मार्ग) में महेश राठौर के निवास पर लगे नल में 29 एवं 30 जून की दरम्यान रात एक शरारती युवक ने नल के अंदर लकड़ी के सहारे एम सील डालकर नल को चॉक कर दिया। मकान मालिक को इसका पता तब चला, जब नल आए तो नल से पानी नहीं आने पर चेक किया तो नल के अंदर एम सील लगी हुई थी। जिसके बाद यह हरकत किसके द्वारा की गई, इसकी मकान पर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में महेश राठौर द्वारा चेक करने पर एक युवक द्वारा मध्य रात करीब 2.21 बजे आकर इस तरह का कृत्य करना पाया गया। जिसके बाद युवक की पड़ताल करने के साथ इसकी शिकायत पुलिस थाने पर भी दर्ज करवाई गई। मकान मालिक महेश राठौर ने बताया कि सीसीटीव्ही फुटेज में नजर आया कि मध्य रात करीब 2.21 बजे एक युवक स्कूटी से आता है और मुंह पर कपड़ा बांधकर नल के मुंह पर लकड़ी के सहारे एम सील डालकर नल को चॉक कर दिया, ताकि जलप्रदाय के दौरान पानी नहीं आ सके। महेश राठौर द्वारा अन्य सीसीटीव्ही कैमरे में भी फूटेज खंगालने पर पता चला कि कैलाश मार्ग निवासी रोहन उर्फ कालू पिता राजेन्द्र पूरी नामक लड़के ने यह कृत्य किया। युवक के घर जाकर पूछताछ करने एवं पुलिस थाने पर इसकी शिकायत करने पर उसने दो अन्य लोग रितिंक पांडे निवासी बावड़ी गली एवं गोलू राठौर निवासी तेलीवाड़ा (लक्ष्मीबाई मार्ग) के कहने पर यह कृत्य करना कबूला। इनसे बातचीत की आडियों रेकार्डिंग भी रोहन के मोबाईल से जप्त की है। रोहन ने बताया कि उसे ऐसा करने के लिए 500 रू. देने का लालच दिया गया, लेकिन वह पैसे भी उसे अब तक नहीं दिए गए। उल्लेखनीय है कि शहर में शरारती तत्व ऐसे युवक इस तरह की हरकते पैसों के लिए आए दिन करते रहते है। युवा पीढ़ी में नशे का काराबोर भी तेजी से फल-फूल रहा है। जिस पर पुलिस को अंकुश लगाए जाने की आवश्यकता है।

दो युवकों के नाम बताए

युवक रोहन से पुलिस के समक्ष कहस कि मुझे दो अन्य लड़के रितिक पांडे एवं गोलू राठौर के कहने पर यह कृत्य करने की बात कबूली। इसकी शिकायत महेश राठौर ने पुलिस थाने पर की।

इनका कहना है

इस तरह की थाने पर शिकायत दर्ज हुई है, पुलिस द्वारा जांच की जा रहीं है।

- आरसी भास्करे, थाना प्रभारी, पुलिस थाना झाबुआ

निजी चिकित्सक के गलत उपचार से महिला की मौत, परिजनों ने लगाया आरोप

झाबुआ। झाबुआ थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम कालापीपल निवासी एक 45 वर्षीय विधवा महिला को हाथ-पैर में दर्द होने पर परिजनों द्वारा शहर के गोपाल कॉलोनी में एक निजी चिकित्सक डॉ. एपी त्रिपाठी के यहां उपचार करवाया गया। चिकित्सक द्वारा महिला को इंजेक्शन लगाने के साथ गोली-दवाई दी गई। जिसके आधे घंटे बाद महिला की मृत्यु हो गई। इस संबंध में परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक डॉ. त्रिपाठी द्वारा गलत उपचार से महिला की जान चली गई। पुलिस ने घटना में फिलहाल मर्ग कायम जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झीता पति स्व. चेनसिंह भूरिया 45 वर्ष निवासी ग्राम कालापीपील को 2 जुलाई को हाथ-पैर में दर्द एवं बुखार आदि की शिकायत होने पर परिजन उसे उपचार के लिए गोपाल कॉलोनी में निजी क्लिनिक पर ले गए। जहां डॉ. त्रिपाठी द्वारा महिला की जांच बाद उपचार करते हुए इंजेक्शन लगाया एवं गोली-दवाई दी गई। इसके बाद परिजन महिला को लेकर गांव लौट आए। इस बीच झीताबाई की

मृत्यु हो गई। इस घटना में परिजनों का आरोप है कि निजी दवाखाने के डॉक्टर डॉ. त्रिपाठी के गलत उपचार करने से महिला को गैस कब्जी हो गई और तबीयत अधिक बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई। परिजनों द्वारा मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए बुधवार रात्रि में जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां अगले दिन 3 जुलाई की दोपहर शव का पोस्टमार्टम बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान चिकित्सालय परिसर में ग्रामवासियों की भारी भीड़ जमा रहीं।

पुलिस थाने पर दर्ज करवाई रिपोर्ट

झीताबाई के परिजनों ने बताया कि उसके पति चेनसिंह की भी 4-5 वर्ष पूर्व बीमारी के कारण मृत्यु हो चुकी है। झीताबाई के 6 लड़के एवं लड़की है। पुत्रों ने आरोप लगाते हुए कहा कि निजी चिकित्सक के गलत उपचार से उसकी मां की मृत्यु हुई है। जिसकी शिकायत उनके द्वारा पुलिस थाने पर दर्ज करवाई गई है। उधर इस घटना के बाद से निजी चिकित्सक गोपाल कॉलोनी में अपना दवाखाना एवं मकान पर ताला लगाकर फरार हो गया है। इस संबंध में थाना प्रभारी आरसी भास्करे से चर्चा करने पर बताया कि घटना में फिलहाल मर्ग कायम किया गया है।

करंट लगने से मोरनी की मौत

मोर की सुरक्षा के लिए उचित प्रयास किया जाए।

पेटलावद। नगर मे भेरू चौक मे गुरुवार को सुबह एक मोरनी को करंट लगने से उसकी मृत्यु हो गई ।मोर को करंट लगने के बाद समाजसेवी दीपक राठौड़ और रहवासीयों ने मिलकर उसे वन विभाग मे ले गये। जहाँ पर चिकित्सको ने मोरनी कई जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया. नगर मे कई बार इस प्रकार कई घटना होती रहती है। लेकिन प्रशासन के द्वारा राष्ट्रीय पक्षी की सुरक्षा के लिये कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है इसके लिये नगरवासियो ने मांग कई है कई मोरो की सुरक्षा के लिये उचित प्रयास कर योजना बनानी चाहिए।

संभागीय क्षेत्रीय निदेशक डॉ . शाजी जोसेफ ने नवजात शिशु का जीवन बचाया

आलीराजपुर । इंदौर संभाग के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय संचालक डॉ. शाजी जोसेफ दो दिवसीय दौर के अंतर्गत प्रथम दिवस डिविजनल कोऑर्डिनेटर सुश्री मोनिका मंडलोई और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरू।ह्र) डॉ. देवेंद्र सुनहरे के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट।ष्ट) उदयगढ़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रसव कक्ष से एक नवजात शिशु के जन्म के बाद सांस न लेने की सूचना प्राप्त हुई, जिससे अस्पताल परिसर में उपस्थित डॉ. साजी जोसेफ, जो स्वयं एक प्रतिष्ठित शिशु रोग विशेषज्ञ हैं, ने बिना एक पल भी गंवाए अपने पेशेवर कर्तव्य का निर्वहन किया। वे तुरंत प्रसव कक्ष में पहुंचे और अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए नवजात शिशु को तत्परता से पुनर्जीवित (*resuscitate*) किया। उनकी त्वरित और कुशल कार्रवाई से नवजात शिशु की जान बचाई जा सकी ।पश्चात डॉ. शाजी जोसेफ ने

अलीराजपुर जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ मातृत्व एवं शिशु विभाग की डॉ. मोनिका मंडलोई भी थीं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य सिक नवजात देखभाल इकाई (स्ह्रष्ट), लेबर रूम, एंटीनेटल केयर (ह्रष्ट) वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (ढ्ढष्ट) और डायलिसिस यूनिट आदि सेवाओं का मूल्यांकन करना शामिल था । इस दौरान मुख?य चिकित?सा अधिकारी ने स्टाफ की कमी से अवगत कराया। डॉ. शाजी जोसेफ ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र स्टाफ की कमी को पूरा करने का आश्वासन दिया, जिससे अस्पताल अपनी सेवाओं को और प्रभावी ढंग से प्रदान कर सके।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरू।ह्र) डॉ. देवेंद्र सुनहरे, डॉ. नौशाद नकवी (ष्ठ।ह्र), डॉ. वंदना ढोके (ष्ठ।ह्र), डॉ. सचिन पाटीदार (ऋळ्ह्र एवं शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. योगिता अजनार (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रीति बाला राठौड़ (ष्ठक्करू), डॉ. प्रीति बाला बघेल (रूह्र), मेटरन मैरीनिषा मसीह, अस्पताल प्रबंधक शुभम सोलंकी, सहायक जिला मीडिया अधिकारी निर्मला चौहान, क्वालिटी नोडल जमुना सेमलीया सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

वर्षाकाल में अधिकाधिक पौधारोपण करने से हमें जीवनदायिनी आक्सीजन मिलती है

झाबुआ। जिला पुलिस विभाग द्वारा 'मेरा थाना मेरा वन' अभियान अंतर्गत पुलिस अधीक्षक पदम् विलोचन शुक्ल के मार्गदर्शन में जिले के सभी थानों एवं चौकियों पर एक साथ पौधारोपण किया गया। इसी क्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ गायत्री परिवार कॉलेज मार्ग झाबुआ द्वारा थाना कालीदेवी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के जिला समन्वयक पं. घनश्यामदास बैरागी ने बताया कि हमारे जीवन में पेड़-पौधों और वृक्षों का विशेष महत्व है, इससे हमे जीवनदायिनी आक्सीजन मिलती है तथा पेड़-पौधों से छाया और फल-फूल आदि भी प्राप्त होते है। वर्षाकाला में हमे अधिकाधिक पौधारोपण कर हरियाली को बढ़ावा देना चाहिए। गायत्री परिवार की जिला

संयोजिका नलिनी बैरागी ने 'वृक्ष है तो मनुष्य जीवन संभव है' का संदेश देते हुए वर्षाकाल में समस्त गायत्री परिजनों को अधिकाधिक पौधारोपण करने का संकल्प दिलवाया। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्था से उपस्थित राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने बताया कि हमे पौधारोपण करने के साथ उसे पानी देकर बड़ा करने और आजीवन देख रेख का भी संकल्प लेना चाहिए। पेड़-पौधों और हरियाली से ही मनुष्य जीवन संभव है और प्रकृति का संतुलन भी बना रहता है।

विधि-विधान से पूजन कर किया पौधारोपण

बाद गायत्री परिजनों एवं ब्रम्हकुमारिज बहनों के साथ पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा भी विधि-विधान से पूजन कर थाना परिसर में पौधारोपण किया। थाना परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फल एवं फूलदार पौधे रोपे गए और उनकी देखरेख हेतु सभी ने संकल्प भी लिया।

एक नजर ▶ **कलेक्टर ने ली दो विभागों की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक**

हर परियोजना की बॉटम 4 की सुपरवाइजर को नोटिस दिए जाने के निर्देश

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा का आयोजन बैठक किया गया। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में कलेक्टर नेहा मीना को अवगत कराया गया कि जिले में नवीन कुपोषण चिन्हांकन में 622 बच्चे 402 आंगनवाड़ी केन्द्रों से है, 44 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर 2 से अधिक कुपोषित बच्चें है, 476 मोटी आई का चिन्हांकन हो गया है एवं 115 बच्चे पलायन पर है। साथ ही पिछले तीन माह की एनआरसी की रिपोर्ट की भी समीक्षा की गयी। कलेक्टर ने कहा कि कुपोषण मुक्त झाबुआ के तहत जिले में पदस्थ नवीन सीडीपीओ का ओरिएंटेशन किया जाए एवं सभी सक्रियता से कार्य करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान 55 प्रतिशत ही प्रगति होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की एवं परियोजनावार समीक्षा कर हर परियोजना की बॉटम 4 की सुपरवाईजर को नोटिस दिये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की जानकारी प्राथमिकता के आधार पर पोर्टल दर्ज की जाए, प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जाए, टेक्निकल समस्या होने पर जिले की टीम सुपरवाईजर की सहायता करें। साथ ही अच्छा कार्य करने वाली सुपरवाईजर से कैसे प्रगति लायी गयी के बारें में जाना।

समूहों की जाँच की जाए- इसके अतिरिक्त लाड़ली लक्ष्मी योजना पोषण ट्रेकर के माध्यम से दर्ज गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं एवं बच्चों को दिये जाने वाले टीएचआर की समीक्षा की गयी । कलेक्टर ने बैठक में निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर निरीक्षण कर भोजन उपलब्ध कराने वाले समूहो की जाँच की जाए, जिसमें 3 समय मेन्यू अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कलेक्टर ने जिले की समस्त आंगनवाड़ियों के निरीक्षण के लिए एसडीएम, तहसीलदार एवं जिला अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर निरीक्षण कर रिपोर्ट लिये जाने के निर्देश दिये।

कार्य योजना की ली जानकारी, दिये निर्देश- स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीकरण की समीक्षा की। राणापुर में अच्छा कार्य करने पर उनसे कार्य योजना की जानकारी ली एवं पेटलावद, मेघनगर व झाबुआ को प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये। पहले ट्राइमेस्टर में गर्भवती के एएनसी रजिस्ट्रेशन पिछले वर्ष 88.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 90.6 प्रतिशत की गयी।

कलेक्टर ने कहा कि कुपोषण से लड़ने के लिए आवश्यक है कि गर्भवती महिला के पहले ट्राइमेस्टर से ही उस पर ध्यान दिया जाए जिससे पैदा होने वाला बच्चा कुपोषित ना हो। इसलिए पहले ट्राइमेस्टर का पंजीकरण स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय से गंभीरता से किया जाए। समीक्षा के दौरान पंजीकरण में लक्ष्य के विपरीत कम प्रगति होने पर बॉटम के सेक्टर सुपरवाईजर को नोटिस दिये जाने के निर्देश दिये। साथ ही पहले ट्राइमेस्टर के पंजीकरण से छुटी गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण आवश्यक तौर पर किये जाने के निर्देश दिये। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिले में आईएमआर, एमएमआर एवं एनएनएमआर को कम किये जाने हेतु मुख्य सचिव के निर्देशो का पालन किया जाए। पूर्ण टीकाकरण की समीक्षा के दौरान कम प्रगति वाले सेक्टरो के सुपरवाईजर को नोटिस दिये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जहां आवश्यकता है बीएमओ टीकाकरण सेशन निर्धारित कर शेड्यूल बनाकर शत प्रतिशत पूर्ण कराये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी बीएस बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग आरएस बघेल, सहायक संचालक अजय चौहान, समस्त बीएमओ, समस्त सीडीपीओ, सेक्टर सुपर सुपरवाईजर एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।